राग - रामकली

थाट - संकीर्ण गाने का समय - रात्रि का चतुर्थ प्रहर
वादी - पंचम या गांधार संवादी - षड्ज या निषाद
जाति - संपूर्ण / संपूर्ण प्रकृति - कुछ अंश तक शांत और चंचल

इस राग में रिषभ और धैवत कोमल तथा दो मध्यम और दो निषाद का प्रयोग होता है। बाकी के स्वर शुद्ध है। एक भी स्वर वर्जित नही है।

आरोह - सा रे ग म प मे प ध नी ध प मेपगमधनीसां
अवरोह - सांनीधनीधप मेपधपम, गमप, ग म रे सा, सारे गम.
राग का मुख्य अंग - मेपधनीधप, मेपम अथवा
धप, मेप, धनीधप, गमरेसा

शास्त्रीय जानकारी - यह बहुत पुराना और प्रसिद्ध राग है। ऐसे तो यह राग भैरव और कालिंगडा के संयोग से बना है। मेपधनीधप इस टुकडे से यह राग उपरोक्त दोनों रागों से अलग पडता है। इस राग में ध्रुपद, धमार, ख्याल आदि विपुल प्रमाण में गाये जाते है। इस राग का चलन तीनों सप्तक में है। पंचम - षड्ज को वादी - संवादी माना जाय तो उत्तरांगवादी बन जाता है। गांधार - निषाद को वादी - संवादी माना जाय तो पूर्वांगवादी बन सकता है। लेकिन यह राग तीनो सप्तक में गाया जाता है। जिससे राग विस्तार में अवकाश रहता है। नजदीक के भैरव राग में अति गंभीरता है परंतु इसमें चंचलता और शृंगारिकता है। भैरव मे रे और ध आंदोलित है। और इसमें नही है। भैरव में मुकाम का स्वर मध्यम है और पंचम थोडा वक्र है, जबकि इस राग का मुकाम का स्वर पंचम है, और आलाप की पूर्णाहुति में गांधार का प्रबलत्व बताना पडता है। सरल पद्धति से सारेगमप लेने में रिषभ की आंदोलित स्थित को वर्ज्य करना पडता है और पंचम पर आने के बाद स्वाभाविक रीति से तीव्र मध्यम का प्रयोग करके मेपम, या मेपधपमेप या मेपधनीधपमेपम इस तरह तीनों प्रकार का प्रयोग करके भैरव की गंभीरता नष्ट की जाती है और रामकली का स्वरुप स्पष्ट होता है।

संक्षेप में यह एक मिश्र प्रकृति का राग है दूसरे राग की छाया आने पर भी मूल राग का अपना निजि स्वरुप स्पष्ट रूप से बना रहे इसका खास ध्यान रखना पडता है। ऐसा न हो तो राग-माला से जाने का संभव रहता है और मूल राग का अस्तित्व बिलकुल अदृश्य हो सकता है।

Scanned with CamScanner

स्वर - विस्तार

1) सा-- रे सा- नीसारेसा - नीध्नी सारे - रेग- - -रे-- सा---
सा---- नीध नी- ध-- प--- प- मेप ध्नीध्पमेपम-- मध-- नी--
ध-- प--- प-- मेप - ध्नीध्पमेप- मध नी-- ध-- प- मेप-
ध्नीध्प-- मेप- म-- गमध-नी-- ध नी सा---।

2) सा-- रे - ग -- म- गमरे ग-- रे-सा-- नीसाध्नी सा-रेग-- नीसा ध्नीसारेग
म-- गम रेग-- रे-- सा--।

3) रेरेसानी सारे-सा-रे गमरे ग-- रे सा, सारेगम -- गमप-- म--- म प-गम रे
गम -- ग-- म पम-गम रेगरे सा-नीसा ध्नीसारे ग---रे-- सा--।

4) सारेगमप --- मेपगम-- गम-- गम प--म-- म म-ध--- प मेप ध्प मेप--ध्नी---
ध्प-- ध्पमेगम ध्--- नीध मेप पध ध्नी--ध्प नीध्प ध्प मेप-ध नी-- ध्प--
मेप ध्ध्पमे प-म-- मगम रे-- ग--रे-सा---रे गम ---

5) सागमप गमध --प मेप ध पम-- मध--- ध्नी-- ध्प मेपध्नीध्प -- मध्नी--
ध्--नी--ध्प मेपध्नीध्प मेप मेपध्प म-- गमपमगम रे-- ग-- रेसा--।

6) गमध-- नी-- ध-प-- मेनी-- ध्प-- मेप प ध्प नी ध ध नी ध्प--
मेध्नी-- ध्नीसां-- ध्नीध-प-- मपगम ध्--प मेपगम पगमरे ग-- रे-सा---।

7) गम ;-- मध-- नी-- ध्नीसां-- रे-- सां--- रेरेंसानीसां नीध्नी-- ध-- प-- म-
ध्नी, सा--रे ग-- रे-- सां-- सांरेंगंमं-- गंमं-- रें-गं-- रें-- सां -- रेंसांनीसां--नी
ध्नी-- ध्प मेपध्नीध्प मेपध्प म-- गमरे-- ग-- रे-- सा---।

तान प्रकार - ① सारेगम रेसानीसा रेरेसारे नीसाध्नी सारेनीसा सानीसा-
सारेगम रेसानीसा सारेगम गरेगग रेसानीसा सारेगम पमेपप गमपप गमरेसा
नीसारेरे सारेनीसा सारेगम पमेपध्प पमेपप गमध्प मेपध्मे पध्मेप गमपप
गमगरे गमरेसा नीसा--।

2) सारेगम ध्पमेप ध्नीध्प मेपगम ध्ध्पध्प ध्पमेप ध्नीध्प मेपगम पपगम
गरेगग रेसानीसा सारेगम पमेपध्प नीध्पमे पपगम ध्नीध्नी सांनीध्प मेपध्नी
ध्पमेप गमध्प मेपगम पपगम गरेगग रेसानीसा।

3) पमेपध्प पमप गमपप गमरेसा नीसा-- मेपध्नी ध्पमेप गमरेसा नीसा-- मेपध्नी
ध्पमेप गमध्नी सांनीध्प मेपध्प मेपगम रेसानीसा ध्पमेप ध्नीध्प मेपनीधी
ध्पमेप गमध्प मेपगम गमरेसा नीसा---।

4) नीनीनीनी ध्नीसांनी ध्पमेप गमध्नी सांरेंसांनी ध्पमेप गमध्नी सांरेंगंगं रेंसांनीसां
रेंरेंसांनी ध्पमेप गमध्प मेपगम गरेगग रेसानीसा।

5) गमपग मपगम पध्मेप ध्पमेप ध्नीसांनीध्प, नीसांध्नी सांनीध्प मेपध्नी
ध्पमेप ध्नीसांनी सांरेंनीसां, रेंरेंसांरें सांनीध्नी सांनीध्प मेपध्नी ध्पमेप गंगंरेंसां
नीसांरेंनी सांरेंनीसां ध्नीसांनी ध्पमेप ध्नीध्प मपगम रेंसानीसा।

Scanned with CamScanner

छोटा ख्याल

रामकली — ताल- एकताल

स्थाई- मान मान अब तो पिया ना जाओ तुम विदेश
तुम सन मेरो अटक्यो मन।

अंतरा - बिनती करत पैया परता इतनी अरज सुन लीजे
मदारंग अब तो पिया।

स्थाई

मंप नी	ध प	- ध	प मं	प धनी	ध प
मा -	न मा	- न	अ ब	तो --	पि या
म -	ग -	म प	ग म	पम रे	रे सा
ना -	जा -	ओ -	तु म	वि दे	- श
नी सा	ग म	प ध	सां रें सां	नी ध नी	ध प
तु म	स न	मे रो	अ ट	क्यो -	म न
×	0	2	0	3	4

अंतरा -

म म	म प	प ध	ध सां	सां रें	सां सां
बि न	ती क	र त	पै -	यां प	र त
ध नी	सां रें	सां सां	रें सां	नी सां	ध नी
इ त	नी अ	र ज	सु न	ली -	जे -
रें सां	- ध	- प	प मं	प धनी	ध प
अ दा	- रं	- ग	अ ब	तो --	पि या
×	0	2	0	3	4

Scanned with CamScanner

★ तिगुन सातवी मात्रा से - ..... ★ दुगुन सम से

★ दुगुन की एक लाइन गाकर चौगुन खाली से

धमार — रामकली — ताल - धमार

स्थाई - एरी गँवार तू तो प्रीत की रीत न जाने।

अंतरा - जासों मन लगाइये तासों और निभाइये,
ए नार के तू तो प्रित की रीत न जाने।

	स्थाई		
			ग म प प
			ऐ - री गँ
ध - प मे प	म ग	ग रे -	रे ग म प
वा - - - -	र क	तू तो -	प्रि - त की
म - ग रे -	- रे	रे - सा	ग म प प
री - - त -	- न	जा - ने	ऐ - री गँ
×	2	0	3
	अंतरा		
प - - ध -	नी नी	सां सां -	नी सां सां -
जा - - सो -	म न	ल गा -	- ई ये -
ध - - नी -	सां सां	रें सां -	नी सां ध -
ता - - सों -	और	नि भा -	ई - ई ये -
नी ध प मे प	म ग	ग रे	रे ग म प
ऐ ना - - -	र क	तू तो	प्रि - त की
म - ग रे -	- रे	रे - सा	ग म प प
री - - त -	- न	जा - ने	ऐ - री गँ
×	2	0	3
क धी ट धी ट	धा -	ता ती ट	ती ट ता -

Scanned with CamScanner